EDII

Amar Ujala

December 13, 2020
Gorakhpur Ed.

पूर्वांचल में स्टार्टअप को नाबार्ड, नार्म और ईडीआईआई करेंगे प्रोत्साहित

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। पूर्वांचल में विकास की बहुत संभावनाएं हैं। पूर्वांचल के विकास में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), नाबार्ड और नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (नार्म) कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। तीनों संस्थान पूर्वांचल में युवाओं को स्टार्ट अप स्थापित करने में मदद करेंगी।

ये बातें मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू ने कहीं। वह शनिवार को कमेटी हॉल में आयोजित पूर्वांचल में स्टार्ट अप और उद्यमिता विकास पर विशेष सत्र में प्रमुख वक्ता के रूप में मौजूद रहे। हैदराबाद स्थित ईडीआईआई के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने कहा कि संस्थान पूर्वांचल क्षेत्र में स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के अवसरों को सृजित करने में सहायता प्रदान करेगी। नार्म के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. के. श्रीनिवास ने कहा कि प्रौद्योगिकी व्यवसाय ऊष्मायन (टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेशन) में सफलता की दर गैर-प्रौद्योगिकी व्यवसाय की तुलना में अधिक है। यही वजह है कि अब स्टार्ट अप में वाणिज्य और कला के साथ ही विज्ञान संवर्ग के छात्र ज्यादा रुचि ले रहे हैं।

पूर्वांचल में स्टार्ट अप और उद्यमिता विकास पर आयोजित हुआ विशेष सत्र

प्रमुख सचिव नियोजन आमोद कुमार ने कहा कि पूर्वांचल के युवा प्रतिभाशाली हैं। विशेष सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने नवोदित उद्यमियों की पहचान और प्रोत्साहन के लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, नाबार्ड, नार्म एवं अन्य बैंकिंग संस्थानों के साथ मिलकर कैंपस में उद्यमिता विकास केंद्र खोलने की योजना पर चर्चा की। नाबार्ड के सीजीएम एसए पांडेय ने बताया कि नाबार्ड लंबे समय से उद्यमिता विकास में सहायक है। इसके मदद से कई किसान आज उद्यमी हो चुके हैं।

प्रो. राजेश सिंह व आमोद कुमार।

EDII

Hindustan

December 13, 2020
Gorakhpur Ed.

स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करेंगे ईडीआईआई व नार्म

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

पूर्वांचल में विकास की आपार संभावनाएं हैं। इस विकास में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), नाबार्ड और नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (नार्म) कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। तीनों संस्थान पूर्वांचल में युवाओं को स्टार्ट-अप स्थापित करने में मदद करेंगी। इसके साथ यह संस्थाएं स्टार्ट-अप को गति भी प्रदान करेंगी।

यह कहना है मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू का। वह शनिवार को कमेटी हॉल में आयोजित पूर्वांचल में स्टार्ट-अप और उद्यमिता विकास पर विशेष सत्र में मौजूद रहे। हैदराबाद स्थित ईडीआईआई के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने उच्च शिक्षा में उद्यमिता संस्कृति के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान पूर्वांचल क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के अवसरों को सृजित करने में सहायता प्रदान करेगा। नार्म के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. केश्रीनिवास ने स्टार्ट-अप की वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए जमीनी अध्ययन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी व्यवसाय ऊष्मायन (टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेशन) में सफलता की दर गैर-प्रौद्योगिकी व्यवसाय की तुलना में अधिक है। विशेष सत्र में डीडीयू के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने नवोदित उद्यमियों की पहचान और प्रोत्साहन के लिये भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, नाबार्ड, नार्म एवं अन्य बैंकिंग संस्थानों के साथ मिलकर कैंपस में उद्यमिता विकास केंद्र खोलने की योजना पर चर्चा की। इस पर सभी पक्षों ने सहमति दी। इस मौके पर नाबार्ड के सीजीएम एसए पांडेय ने बताया कि नाबार्ड लंबे समय से उद्यमिता विकास में सहायक है। इसके मदद से कई किसान आज उद्यमी हो चुके हैं।प्रमुख सचिव नियोजन आमोद कुमार ने कहा कि पूर्वांचल के युवा प्रतिभाशाली हैं। विभाग उनको उद्यम शुरू करने के लिए उचित मंच प्रदान करेगा। इस मौके पर पूर्वांचल के उद्यमियों ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए, आईटी स्टार्ट-अप की तुलना में कृषि, शिक्षा और निर्माण संबंधी स्टार्ट-अप अधिक फायदेमंद होंगे।

EDII

Rashtriya Sahara

December 13, 2020
Gorakhpur Ed.

सुग्राहीकरण और पूर्व-ऊष्मायन गतिविधियों पर दें जोर

गोरखपुर (एसएनबी)। इस विशेष सत्र की अध्यक्षता सीजीएम नाबार्ड एसए पांडे ने प्रो राजेश सिंह, कुलपति गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं अमोद कुमार, प्रमुख सचिव, योजना विभाग, उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में की। सत्र की शुरुआत मुख्य वक्ता प्रो सुनील शुक्ला, महानिदेशक, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद द्वारा आनलाईन प्रस्तुति के साथ हुई। प्रो सुनील शुक्ला ने उच्च शिक्षा में उद्यमिता संस्कृति के विकास पर जोर दिया जो पूर्वांचल क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के अवसरों को सृजित करने में सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर स्टार्ट-अप स्थापित करने के लिए अन्य गतिविधियों की तुलना में सुग्राहीकरण और पूर्व-ऊष्मायन गतिविधियों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। नेशनल एकेडमी आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (एनएएआरएम) के प्रधान वैज्ञानिक डा के श्रीनिवास ने स्टार्ट-अप की वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए जमीनी अध्ययन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी व्यवसाय ऊष्मायन में सफलता की दर गैर-प्रौद्योगिकी व्यवसाय ऊष्मायन की तुलना में अधिक है। साथ ही साथ उन्होंने देश भर में काम करने वाले विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकी विकास उष्मायन केंद्रों के विषय में भी लोगों को अवगत कराया।

विशेष सत्र पूर्वांचल में स्टार्ट-अप और उद्यमिता विकास का तीसरा दिन

वक्ताओं की प्रस्तुति के बाद आयोजित समूह चर्चा में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रो. अभिजीत सिंह ने इस बात का उल्लेख किया कि लोग अपनी इच्छा से नहीं बल्कि मजबूरीवश उद्यमिता गतिविधियों में प्रवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें भारतवासियों की नौकरी प्राप्ति की मानसिकता को उद्यमी बनने की इच्छा वाली मानसिकता में परिवर्तित करना होगा। बीएचयू के प्रो आशीष सिंह ने नवोदित स्टार्ट-अप के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र से लालफीताशाही और अन्य कुप्रथाओं को खत्म करने की बात की। ईडीआईआई अहमदाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डा अमित द्विवेदी ने उच्च शिक्षा के शुरुआती चरणों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला ताकि युवाओं को उद्यमिता गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जा सके। एसके अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, चैंबर अफ इंडस्ट्रीज, गोरखपुर ने कहा कि पूर्वांचल के युवा प्रतिभाशाली हैं लेकिन उनको अपना उद्यम शुरू करने के लिए उचित मंच का अभाव है। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र के लिए आईटी स्टार्ट-अप की तुलना में कृषि, शिक्षा और निर्माण संबंधी स्टार्ट-अप अधिक फायदेमंद होंगे। प्रवीण मोदी ने उद्यमियों के समक्ष पेश होने वाली वित्त संबंधी समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बैंकों द्वारा कम जोखिम लेने की प्रवृत्ति उद्यमिता के लिए बाधा उत्पन्न करती है। मुख्य अतिथि डा केवी राजू आर्थिक सलाहकार, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि सरकार नवोदित उद्यमियों की पहचान और प्रोत्साहन के लिये भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान नाबार्ड, एनएएआरएम एवं अन्य बैंकिंग संस्थानों के साथ मिलकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में उद्यमिता विकास केंद्र खोलने की योजना बना रहा है। सत्र का समापन डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डीपी त्रिपाठी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। डा दीपा श्रीवास्तव इस सत्र की तकनीकी समन्वयक थीं। बैठक में कुलसचिव, विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, एवं शोधार्थी और प्रशासनिक कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

EDII

Dainik Jagran

December 13, 2020
Gorakhpur Ed.

डीडीयू में सरकार खोलेगी उद्यमिता विकास केंद्र

विशेष सत्र में पूर्वांचल में स्टार्ट-अप और उद्यमिता विकास पर चर्चा

वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए जमीनी अध्ययन पर जोर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : सरकार भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, नाबार्ड, एनएएआरएम एवं अन्य बैंकिंग संस्थानों के साथ मिलकर गोरखपुर विश्वविद्यालय में उद्यमिता विकास केंद्र खोलने की योजना बना रही है। इससे न सिर्फ नवोदित उद्यमी प्रोत्साहित होंगे, बल्कि उन्हें अलग पहचान भी मिलेगी।

यह बातें मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डा.केवी राजू ने कही। वह शनिवार को गोरखपुर विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वेबिनार में विशेष सत्रः पूर्वांचल में स्टार्ट-अप और उद्यमिता विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक प्रो.सुनील शुक्ला ने कहा कि उच्च शिक्षा में उद्यमिता संस्कृति का विकास जरूरी है। यह पूर्वांचल में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के अवसरों को सृजित करने में सहायता करेगी।

नेशनल एकेडमी आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट के प्रधान वैज्ञानिक डा.के.श्रीनिवास ने स्टार्ट-अप की वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए जमीनी अध्ययन के महत्व पर जोर दिया। समूह चर्चा में बीएचयू के प्रो.अभिजीत सिंह ने इस बात का उल्लेख किया कि लोग अपनी इच्छा से नहीं बल्कि मजबूरीवश उद्यमिता गतिविधियों में प्रवेश करते हैं। हमें इस मानसिकता को बदलना होगा। बीएचयू के प्रो. आशीष सिंह ने नवोदित स्टार्ट-अप के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र से लालफीताशाही और अन्य कुप्रथाओं को खत्म करने की बात कही। ईडीआइआइ अहमदाबाद के एसोसिएट प्रो.अमित द्विवेदी ने उच्च शिक्षा के शुरुआती चरणों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

चैंबर आफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल ने कहा कि पूर्वांचल के युवा प्रतिभाशाली हैं, लेकिन उनको अपना उद्यम शुरू करने के लिए उचित मंच का अभाव है। प्रवीण मोदी ने कहा कि बैंकों द्वारा कम जोखिम लेने की प्रवृत्ति उद्यमिता के लिए बाधा उत्पन्न करती है। सत्र की अध्यक्षता सीजीएम नाबार्ड एसए पांडेय ने की। धन्यवाद ज्ञापन वित्त अधिकारी डीपी त्रिपाठी ने किया।